



दी नैक्सट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

जिले में मिली नई तैनाती-22 दयोगाओं के तबादले
2023 बैच के 12 को पहली बार मिली चौकी की कमान

5

यूपी के कई जिलों में बारिश

8

मेरा भरोसा कभी कम नहीं हुआ: मेसी

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 04

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 20 जुलाई, 2026

प्राइवेट आर्बिटल राकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लान्च

भारत की ऐतिहासिक शुरुआत

भारत की पहली प्राइवेट स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने इतिहास रचते हुए अपना पहला प्राइवेट ऑर्बिटल राकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च किया।



स्काईरूट के विक्रम-1 का हुआ 'आगमन'

विक्रम-1 का अंतरिक्ष गमन



यह लान्च भारतीय निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है

विक्रम-1 राकेट श्रीहरिकोटा से दोपहर 12.05 बजे सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हुआ।

हैदराबाद, एजेंसी

भारत की पहली प्राइवेट स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को इतिहास रच दिया। कंपनी ने भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल राकेट विक्रम-1 आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से दोपहर 12.05 बजे सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। पहले राकेट को सुबह 11.30 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन आखिरी वक्त पर काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर के लिए रुका काउंटडाउन दोबारा शुरू होने के बाद राकेट को तय समय पर लॉन्च किया गया। इस मिशन का नाम मिशन आगमन रखा गया था। मौसम खराब और नेविगेशन की दिक्कत के कारण लॉन्च 35 मिनट देर से हुआ।



भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक नया अध्याय! आज सुबह 11:30 बजे, स्काईरूट एयरोस्पेस भारत के पहले निजी तौर पर विकसित प्रक्षेपण यान विक्रम-1 का पहला कक्षीय प्रक्षेपण करेगी। यह चार चरणों वाला राकेट त्वरित और मांग के अनुसार प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मिशन आगमन दिया गया नाम

हैदराबाद की कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा किए गए इस टेस्ट फ्लाइट लक्ष्य का नाम मिशन आगमन रखा और यह देश के कमर्शियल स्पेस सेक्टर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। लगभग 16 मिनट की शुरुआती यात्रा के बाद, विक्रम-1 के घरेलू और विदेशी पेलोड को 450 km की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव पर लो अर्थ ऑर्बिट में स्थापित करने की उम्मीद है।

विक्रम-1

पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना भारत का पहला ऑर्बिटल राकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में 5 गुना हल्का होता है, जिससे राकेट का वजन कम हुआ और ईंधन दक्षता बढ़ी।



राज्यसभा में शाह पेश करेंगे वंदे मातरम बिल, अपमान करने पर होगी सजा!



शातिर निकली दामिनी बीमा के 20 लाख के लिए पति को सांप से डसवाया



गाजियाबाद की नई पहचान अब 'श्री राम सेतु' से होगी शहर में एंट्री



वांगचुक की भूख हड़ताल पुलिस अस्पताल ले गई



अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की

गोरखपुर में झमाझम बारिश से मिली राहत

गोरखपुर में हुई झमाझम बारिश से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला जारी ...

संवाददाता, गोरखपुर। बीते दो दिन से पड़ रही उमस भरी गर्मी से शुक्रवार को राहत तब मिल गई, जब दोपहर बाद करीब एक घंटे तक झमाझम वर्षा हो गई। तेजी से बढ़ते तापमान पर विराम लग गया। गर्मी से राहत को लेकर अगले तीन दिन के मौसम का माहौल बन गया। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय के अनुसार वर्षा की वायुमंडलीय परिस्थितियां तैयार हो गई हैं। इसकी झलक मौसम से दिखाई देने लगी है। मौसम विज्ञानी ने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपरी वायुमंडल में चक्रवाती हवा का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी में तैयार हुआ निम्नवायुदाब क्षेत्र बिहार होते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों का प्रभाव शनिवार से सामने आने लगेगा।

गोरखपुर के सिक्सलेन फ्लाईओवर पर बनेंगी तीन रोटरी, 22 जुलाई को होगा लोकार्पण

संवाददाता, गोरखपुर। ट्रांसपोर्टनगर नगर से पैडलेगंज तक बने सिक्सलेन फ्लाईओवर और देवरिया बाईपास की ओर बने फोरलेन फ्लाईओवर से गुजरना आसान होगा। सेतु निगम वाहन चालकों की सहूलियत और सुरक्षित यातायात के लिए तीन रोटरी बना रहा है। दो-तीन दिन में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। इससे देवरिया बाईपास से लखनऊ या पैडलेगंज की तरफ जाना, पैडलेगंज से देवरिया बाईपास की तरफ आना या सीधे लखनऊ की ओर जाना आसान होगा। ट्रांसपोर्टनगर से पैडलेगंज की तरफ बने सिक्सलेन

गोरखपुर फ्लाईओवर पर तीन नई रोटरी का निर्माण। सिक्सलेन, फोरलेन फ्लाईओवर का 22 जुलाई को लोकार्पण। यातायात होगा सुगम, जाम से मिलेगी राहत।

फ्लाईओवर और देवरिया बाईपास की तरफ से सिक्सलेन फ्लाईओवर तक बने फोरलेन फ्लाईओवर का 22 जुलाई को लोकार्पण होगा। सेतु निगम ने दोनों फ्लाईओवर का निर्माण कराया है। सिक्सलेन फ्लाईओवर का निर्माण दो महीने पहले ही पूरा हो चुका है, फोरलेन का निर्माण 30 जून तक पूरा हो गया था। सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार ने कहा कि रोटरी बनाने की शुरुआत की जा चुकी है। सुरक्षित यातायात के लिए सभी संकेतकों को भी लगाया जा रहा है।

देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन की शुरुआत

पीएम मोदी ने किया उदघाटन



जनपद गाजियाबाद में श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

सम्पादकीय

नागरिकता का प्रश्न

सुप्रीम कोर्ट—मतदाता सूची से नाम कटना नागरिकता खत्म होना नहीं।
चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है।
नागरिकता सिद्ध करने वाले सुनिश्चित प्रमाण पत्र का अभाव समस्या।

यह किसी से छिपा नहीं कि तमाम बांग्लादेशी घुसपैठियों ने ऐसा कर रखा है। यदि यह समझा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से समस्या का समाधान हो जाएगा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता तो यह सही नहीं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के समय वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटे जाने और उन्हें कथित तौर पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा, उससे भ्रम पूरी तौर पर दूर होना कठिन ही है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम कटने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसा ही कहा था, लेकिन तब उसने यह भी जोड़ा था कि आयोग मतदाता सूची बनाते या उसे संशोधित करते समय नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है।

उसने ऐसी टिप्पणी इसलिए की थी, क्योंकि चुनाव आयोग को यह देखना होता है कि मतदाता भारतीय नागरिक है या नहीं? उसे यह देखने का अधिकार इसीलिए दिया गया, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का हक भारतीय नागरिकों को ही मिल सकता है। नि:संदेह चुनाव आयोग के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी की नागरिकता का निर्धारण करे, क्योंकि नागरिकता का निर्धारण तो भारतीय नागरिकता अधिनियम के तहत होता है और इसके अनुसार जन्म, वंश, भारत में लंबे समय से रहने आदि के आधार पर नागरिकता तय होती

है। समस्या यह है कि अपने देश में नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई सुनिश्चित प्रमाण पत्र नहीं है। इसीलिए पिछले दिनों जब यह बात सामने आई कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज मात्र है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, तब भी यह बहस उठी थी कि आखिर किसी की नागरिकता का निर्धारण किस प्रमाण पत्र से होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा—सरल उत्तर तब तक नहीं मिल सकता, जब तक लोगों को नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता।

ध्यान रहे कि आधार, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पैन, राशन कार्ड आदि भी नागरिकता के दस्तावेज नहीं हैं। मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का प्रमाणन नहीं करता। चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया इसीलिए जटिल है, क्योंकि लोगों के पास ऐसे दस्तावेज बहुत कम हैं, जिनसे उनकी नागरिकता का आसानी से प्रमाणन हो जाए। अपने देश की एक अन्य समस्या यह है कि यदि कोई राशन कार्ड, आधार आदि बनवा ले तो फिर वह हर तरह के दस्तावेज हासिल कर सकता है— मतदाता पहचान पत्र से लेकर पासपोर्ट तक। यह किसी से छिपा नहीं कि तमाम बांग्लादेशी घुसपैठियों ने ऐसा कर रखा है। यदि यह समझा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से समस्या का समाधान हो जाएगा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता तो यह सही नहीं। ऐसी किसी टिप्पणी से एसआइआर की प्रक्रिया भी आसान नहीं होने वाली, क्योंकि चुनाव आयोग को तो यह सुनिश्चित करना ही होगा कि मतदाता भारतीय नागरिक हो।

अतिवाद की हदों को पार करता स्त्रीवाद

हाल में अमेरिका में हुए कुछ सर्वे और रिपोर्ट पढ़ी। उनमें बताया गया है कि वहां अधिकांश स्त्रियां पुरुषों से बराबरी चाहती हैं। समान वेतन और समान सुविधाओं को पसंद करती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश खुद को फेमिनिस्ट या स्त्रीवादी नहीं कहलाना चाहतीं। बहुत से पुरुष भी स्त्रियों के अधिकारों के प्रबल समर्थक हैं, पर वे इस शब्द से परहेज करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? स्त्रियों का कहना है कि स्त्रीवाद ने शुरुआत में जो अधिकार मांगे थे, जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि वे कमोबेश पूरे हो चुके हैं। जहां नहीं हुए हैं, वहां इन पर सोचा जा रहा है। इसलिए अब पुराने रागों का अलाप बंद होना चाहिए। वे फेमिनिज्म के अतिवादी रूप (रेडिकल फेमिनिज्म) से परेशान हैं। उनका कहना है कि हमेशा पुरुषों को शिकारी और अपने को शिकार दिखाना गलत अवधारणा है। पुरुष अच्छे भी हो सकते हैं और स्त्रियां बुरी भी हो सकती हैं। वे यह भी कहती हैं कि किसी दफ्तर में अधिकारी बनकर घंटों काम करने और दफ्तर की परेशानियों को झेलने से उनका जीवन आसान नहीं, बहुत कठिन हुआ है। यही नहीं, फेमिनिज्म द्वारा स्त्री की हर पुरानी भूमिका की आलोचना की जाती है, जैसे खाना बनाने, बच्चे पालने, घर की देखभाल करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा हुआ कैसे कह सकता है? यह भी सच है कि नौकरीपेशा स्त्रियां एक तरह से खुद को सैंडविच की तरह से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें घर भी देखना होता है और दफ्तर में भी काम करना होता है। स्त्रियों का कहना यह भी है कि मेनस्ट्रीम फेमिनिस्ट स्त्रियों को हमेशा कमजोर साबित करती रहती हैं, जबकि उन्हें स्त्रियों की तरह—तरह की भूमिकाओं, उन्हें निभाने की उनकी ताकत और उनकी क्षमताओं पर बात करनी चाहिए। यही नहीं, पुरुषों को हमेशा नकारात्मक रूप में पेश करना भी समाज की कोई

भलाई नहीं करता, क्योंकि अधिकांश पुरुष भी परिवार के लिए नौकरी या अच्छे काम करते हैं। उनकी इन भूमिकाओं की सराहना आखिर क्यों नहीं की जानी चाहिए?

अमेरिका में चलने वाले ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट में शामिल स्त्रियां यह तक कहती हैं कि यदि वे अपने पति के लिए खाना बनाती हैं, बच्चों की देखभाल करती हैं तो यह उनका चुनाव है, पसंद है। दूसरी महिला इस पर सवाल उठाने वाली कौन होती है। इन बातों को पढ़ते हुए यही लगा कि कोई भी विमर्श शुरुआत में सहानुभूति से शुरु होता है। फिर धीरे-धीरे उसे ताकत प्राप्त होती है। मीडिया, जनता और सरकारों का समर्थन मिलता है तो फिर वह गुराने लगता है। सबसे सवाल पूछने और असहमत होने का अधिकार तो मांगता है, मगर यह नहीं देखना चाहता कि कोई उससे असहमत हो। इन दिनों अपने देश में चल रहे कई विमर्शों की यही सच्चाई है। आप जैसे ही उनसे असहमत होते हैं, सवाल पूछते हैं तो फौरन तरह—तरह के अपशब्दों के साथ आप पर हमला बोल देते हैं।

यह एक तानाशाहीपूर्ण रवैया है, क्योंकि तानाशाहियों में ही सवाल पूछना मना होता है। यदि कोई विमर्श सवालों से बचने लगे, सवाल पूछने वालों पर ही आक्रमण करने लगे, गाली—गलौज की भाषा का इस्तेमाल करने लगे तो माना जाना चाहिए कि उसका अंत करीब है। यों भी इतिहास से अब तक देखें तो किसी भी विचार—विमर्श की उम्र 70—100 साल से अधिक नहीं होती, क्योंकि कोई भी विचार और विमर्श अपना प्रतिपक्ष साथ लेकर आता है। जिस अमेरिका और यूरोप से स्त्रीवादी विचार चला था, वहां ही अब इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन भी अतिवादी स्त्रीवाद का बड़ा आलोचक है। ट्रंप का कहना है कि रेडिकल फेमिनिज्म और एलजीबीटीक्यू की अमेरिका में कोई जगह नहीं है। सभी को एक साथ लेकर चलने की जरूरत है और थर्ड जेंडर जैसी चीज कोई नहीं होती। अमेरिका को बचाना है तो परिवार चाहिए। हालांकि वहां की स्त्रीवादी ट्रंप के विचार से सहमत नहीं हैं और उन्हें मिसोजोनिस्ट कहती हैं।

बार-बार के चुनावी भंवर से निकले देश

असली चुनौती केवल एक बार साथ चुनाव कराने की नहीं है, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच इस पूरी व्यवस्था को टिकाऊ बनाए रखने की है।

इस मानसून सत्र की दहलीज पर ‘एक देश—एक चुनाव’ को लेकर देश में जैसी बहस छिड़ी है, वैसी किसी अन्य सुधार पर लंबे समय से नहीं देखी गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि एक देश—एक चुनाव को लेकर कोई विधेयक संसद के इस सत्र में आएगा या नहीं, लेकिन यदि आता है तो उसे लेकर विरोध देखने को मिल सकता है, क्योंकि कई राजनीतिक दल एक साथ चुनाव के विचार को खारिज करते चले आ रहे हैं। मूल प्रश्न यह नहीं है कि देश में चुनाव कितनी बार होते हैं, बल्कि यह है कि चुनी हुई सरकारें जनता को कैसा शासन दे पाती हैं। यही वह बुनियादी आधार है, जिसके केंद्र में यह पूरा प्रस्ताव खड़ा है। वर्तमान में संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 को खंगाल रही है। पीपी चौधरी की अध्यक्षता में विभिन्न पक्षों से संवाद जारी है। इसे केवल चुनाव का कैलेंडर ठीक करने की यांत्रिक कसरत समझना भूल होगी। यह भारतीय शासन—व्यवस्था को बुनियादी तौर पर कसने और उसे नया स्वरूप देने का ऐतिहासिक अवसर है।

एक साथ चुनाव लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया का अनिवार्य शोधन है। बीते एक दशक में शासन की रफ्तार, डिजिटल गवर्नंस और बुनियादी ढांचे के निर्माण को जिस तरह नीति की निरंतरता से गति मिली है, उसी सिलसिले में इस सुधार का दस्तक देना स्वाभाविक है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह है कि देश एक स्थायी चुनावी भंवर में फंस चुका है। पिछले पांच वर्षों का रिकार्ड गवाह है कि हर साल किसी न किसी बड़े राज्य में चुनावी मरोड़ उठती है और आचार संहिता का पहरा बैठ जाता है। नतीजा यह कि शासन का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के काम के बजाय चुनावी बंदोबस्त में होम हो जाता है। इसका सीधा असर सार्वजनिक निवेश और नीतिगत फैसलों पर पड़ता है। कोविंद समिति की रिपोर्ट ने साफ रेखांकित किया है कि इन बिखरी हुई चुनावी तारीखों के कारण देश प्रशासनिक और आर्थिक अनिश्चितता की भारी कीमत चुका रहा है। जैसे ही आचार संहिता लागू होती है, नई विकास योजनाएं, टेंडर और बड़े फैसले फाइलों में सिमट कर रह जाते हैं। बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट्स को रफ्तार चाहिए, लेकिन बार—बार लगने वाला यह राजनीतिक ब्रेक उनकी लागत बढ़ाता है और समय लील जाता है।

देश का करदाता अपनी गाढ़ी कमाई से जिस प्रशासनिक तंत्र को विकास के लिए टैक्स देता है, वह भी मशीनरी महीनों चुनावी फेर में उलझी रहती है। इसकी सबसे करारी चोट हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पड़ती है। चुनावों की घोषणा होते ही लाखों शिक्षकों और सुरक्षा बलों को उनके मूल दायित्वों से हटाकर ज़बूटी पर तैनात कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई ठप हो जाती है। बच्चों के इस नुकसान की भरपाई कोई राजनीतिक दल नहीं कर सकता। लोकतंत्र का मतलब सिर्फ वोट डालना नहीं है। जनता को निर्बाध और सुचारु नागरिक जीवन मिलना ही इसकी असली कसौटी है। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि किसी राज्य में चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक दल अपनी प्राथमिकताएं बदलने को बाध्य हो जाते हैं। यदि हम भारतीय चुनावी इतिहास को देखें तो 1951 से 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। यह समकालिक व्यवस्था इसलिए समाप्त नहीं हुई कि वह नाकाम थी, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता और समयपूर्व विघटनों के कारण उसका क्रम टूटा। इसलिए यह विचार किसी एक सरकार की तात्कालिक उपज नहीं है। चुनाव आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग वर्षों से इसे एक जरूरी सुधार के रूप में रेखांकित करते रहे हैं। स्वयं चुनाव आयोग आवश्यक संवैधानिक और प्रशासनिक तैयारी के साथ इसे संभव मानता है। ऐसे में यह बहस केवल राजनीतिक नफा—नुकसान की नहीं, देश की संस्थागत तत्परता की है। यह कोई नया या अनजाना प्रयोग नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की मूल चुनावी व्यवस्था को आज की परिस्थितियों के अनुरूप पुनर्स्थापित करने का एक गंभीर प्रयास है। हालांकि इस सुधार के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधनों को लेकर कई तरह की आशंकाएं भी उठाई जा रही हैं। मुख्य विपक्षी दलों और क्षेत्रीय ताकतों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दे प्रांतीय चुनावों पर हावी हो जाएंगे। उनका मानना है कि इससे स्थानीय सरोकार हाशिए पर चले जाएंगे और बहुदलीय ढांचा कमजोर पड़ सकता है। हालांकि हमारा चुनावी इतिहास यह दिखाता है कि भारतीय मतदाता कहीं अधिक परिपक्व है। यदि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय मुद्दों को दबा देते तो अनेक राज्यों में मतदाता एक ही दिन लोकसभा और विधानसभा में अलग—अलग दलों को जनादेश क्यों देते? आखिर अब भी कई राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा के साथ होते हैं। हमारी जनता राष्ट्रीय और स्थानीय प्राथमिकताओं के फर्क को बखूबी समझती है। इसका सबसे कठिन हिस्सा इसके कानूनी पहलुओं से जुड़ा है। यदि कोई राज्य सरकार दो साल में ही गिर जाए या केंद्र में त्रिशंकु सदन की स्थिति बन जाए तो उस स्थिति में इस समकालिक चक्र को कैसे बचाया जाएगा? विधि आयोग और उच्चस्तरीय समिति के अनुसार, ऐसी स्थिति में होने वाले मध्यावधि चुनाव केवल पिछले सदन के बचे हुए कार्यकाल के लिए ही होने चाहिए। यह व्यवस्था व्यावहारिक रूप से कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या मतदाता केवल दो साल के कार्यकाल के लिए फिर से मतदान करने के लिए तत्पर होंगे?

इरादों की नई कार्यशैली

हर सरकार को अपनी कार्यशैली का एक नक्शा जमीन पर उतारना पड़ता है और इस लिहाज से सुख्खू सरकार ने अपने इरादे चिन्हित कर दिए हैं। मंडे बैठकों के दौर के बाद उच्च स्तरीय बैठकों में इरादों की कार्यशैली स्पष्ट हो रही है। मेडिकल कालेजों को श्रेष्ठ मेडिकल कालेजों के बाद अब जिला, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की सुध में नई इच्छा शक्ति जागृत हुई है। आज भी स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में पहली दस्तक नजदीकी अस्पतालों और खास तौर पर जिला, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों में होती है। अगर जिलों की ओपीडी जिला स्तरीय अस्पतालों में संतुष्ट हो जाए, तो मेडिकल कालेज और श्रेष्ठ तथा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं का पैमाना तय कर पाएंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार एमआरआई मशीनों तथा डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा का विस्तार बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, सोलन, धर्मशाला तथा पालमपुर जैसे अस्पतालों में कर रही है। इसके अलावा मेडिकल कालेजों में 256 स्लाइस हाई एंड सीटी स्कैन तथा डिजिटल—एक्सरे मशीनें आ रही हैं। जाहिर है निरीक्षण—परीक्षण की दृष्टि से बहुत कुछ मुकम्मल होगा। निजी क्षेत्र के सामने हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा सुदृढ़ होगा, तो मरीजों का विश्वास आज भी सरकारी अस्पतालों को अहमियत दे रहा है। हमारा मानना है कि हिमाचल को रोग विशेष के आधार पर क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को राज्य स्तरीय दर्जा देना होगा।

मसलन कोई एक अस्पताल अगर न्यूरो की दक्षता में संपूर्ण सुसज्जित हो तो उसे इस विषय का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित किया जाए। इसी तरह गैस्ट्रो, मधुमेह, यूरोलॉजी, हड्डी रोग, हार्ट व अन्य रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल बना देने चाहिएं। इससे अनुसंधान, निपुणता व दक्षता को नया आयाम मिलेगा तथा राज्य में सुपरस्पेशियलिटी की श्रृंखला बन जाएगी। हिमाचल को कुछ अस्पतालों को पर्यटन से जोड़ कर देखते हुए हैल्थ टूरिज्म प्रमोट करना होगा। मसलन कुल्लू—मनाली, शिमला व धर्मशाला के अस्पतालों में हैल्थ टूरिज्म की संभावनाएं देखी जानी चाहिएं, जबकि पपरोला आयुर्वेदिक चिकित्सालय के साथ—साथ कुछ अन्य आयुर्वेदिक अस्पताल भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं दे सकते हैं। बहुत सारे विदेशी हिमाचल के धर्मशाला व मनाली प्रवास के दौरान डेंटल व आंख परीक्षण की सस्ती सुविधाओं से अभिभूत होते हैं। इतना ही नहीं हिमाचल के पचास साठ शहरों के लिए अब सिटी अस्पतालों की श्रृंखला में निजी निवेश प्रोत्साहित करने की योजना बनानी होगी। बहरहाल हिमाचल की सुख्खू सरकार काम, प्रगति और परियोजनाओं की निरंतरता में जो नकशे बना रही है, उसमें सबसे अधिक निवेश और निष्कर्ष कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार को लेकर निकल रहे हैं। विस्थापन से पुनर्वास तक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार, पूरे देश के लिए एक मिसाल है। राहत के मायने मानवीय हैं, साथ ही दृढ़ प्रतिज्ञा इरादों की बुलंदी भी जाहिर करते हैं। अंतिम दौर में पहुंचा कार्य यह एहसास दिलाता है कि वर्तमान सरकार इस ऐतिहासिक कार्य की हर ईंट पर अपना नाम लिख रही है।

सांसद रवि किशन ने
दृष्टिबाधित बच्चों संग
काटा जन्मदिन का केक



गोरखपुर, संवाददाता। जन्मदिन की शुरुआत उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन से की। इसके बाद उन्होंने अपने आवास पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर दृष्टिबाधित बच्चों संग केक काटा। जन्मदिन के अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी सांसद रवि किशन को शुभकामनाएं प्रेषित की। सांसद व फिल्म अभिनेता रवि किशन शुक्ला ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन श्रद्धा, सेवा और जनसहभागिता के साथ मनाया। जन्मदिन की शुरुआत उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन से की। इसके बाद उन्होंने अपने आवास पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर दृष्टिबाधित बच्चों संग केक काटा। जन्मदिन के अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी सांसद रवि किशन को शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उपमुख्यमंत्री बुजेश पाठक सहित कई केंद्र व प्रदेश स्तर के नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी रवि किशन शुक्ला का जन्मदिन पूरे दिन ट्रेंड करता रहा। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उनका उत्साहवर्धन किया तथा समाज में समावेशी सोच और सेवा भाव का संदेश दिया।

गोरखपुर में मूसलाधार बारिश से चारों तरफ पानी-पानी

गोरखपुर में मूसलाधार बारिश से सड़कों पर भारी जलभराव



प्रमुख मार्गों और कालोनियों में जलभराव

संवाददाता, गोरखपुर। देर रात शुरू हुई तेज बारिश ने नगर निगम की जलनिकासी व्यवस्था का सच बयां कर दिया। रातभर हुई वर्षा के बाद शनिवार सुबह शहर के कई प्रमुख मार्गों, बाजारों और निचले इलाकों में एक से तीन फीट तक पानी भर गया। जलभराव के कारण लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए, जबकि दुकानों और घरों में पानी घुसने से व्यापारियों व स्थानीय लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में दाउदपुर रहा, जहां घंटों करीब डेढ़ फीट तक पानी जमा रहा। जिला परिषद मार्ग पर भी लोगों को जलभराव के बीच होकर गुजरना पड़ा। स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नगर निगम कार्यालय परिसर में पार्क के सामने सुबह आठ बजे तक डेढ़ से दो फीट पानी भरा रहा। बैंक रोड, विजय चौराहे से अलीनगर, घोस कंपनी और माया बाजार रोड पर भी लंबे समय तक जलभराव बना रहा। असुरन चौराहा से गीता वाटिका मार्ग पर राप्ती कॉम्प्लेक्स की चहारदीवारी गिरने से नाले का पानी आसपास के दुकानदारों के घरों में घुस गया। राप्तीनगर कॉम्प्लेक्स में दुकानों में घुसा पानी। रेती रोड और माया बाजार मार्ग पर भी कई दुकानों और प्रतिष्ठानों में पानी भर



जाने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ। आरटीओ रोड पर भी भारी जलभराव देखने को मिला। देवरिया बाईपास मार्ग पर पंचमुखी हनुमान मंदिर से भगत चौराहे तक आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियां जलमग्न रहीं। चंपा देवी पार्क से गोरक्ष एनक्लेव के बीच सड़क नीची होने और नाले में पानी का बहाव बाधित रहने के कारण करीब दो फीट तक पानी जमा रहा। जलभराव के बीच कई बाइक सवार फिसलकर गिर पड़े और चोटिल हो गए। निचले इलाकों बहरामपुर, इलाहीबाग, तिवारीपुर, साहबगंज, मोहरीपुर और जागर बाजार में हालात और भी खराब रहे। लोगों को घरों से निकलने में भारी दिक्कत हुई और दैनिक गतिविधियां प्रभावित रहीं। बारिश थमने के बाद नगर निगम की टीमों सुबह करीब आठ

नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की खामियां उजागर हुईं।
दुकानों-घरों में पानी घुसने से लोगों को आर्थिक नुकसान।



बजे सक्रिय हुईं। विभिन्न स्थानों पर पंप लगाकर पानी निकालने का काम शुरू किया गया। सुबह करीब पौने नौ बजे तक कई इलाकों में जलभराव कम होने से लोगों को राहत मिली। नगर आयुक्त अजय जैन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को फील्ड में रहकर जलनिकासी कार्य तेज करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। देर रात शुरू हुई तेज बारिश ने नगर निगम की जलनिकासी व्यवस्था का सच बयां कर दिया। रातभर हुई वर्षा के बाद शनिवार सुबह शहर के कई प्रमुख मार्गों, बाजारों और निचले इलाकों में एक से तीन फीट तक पानी भर गया। जलभराव के कारण लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए, जबकि दुकानों और घरों में पानी घुसने से व्यापारियों व स्थानीय लोगों को

नुकसान उठाना पड़ा। लाल डिग्गी रोड पर जलजमाव सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में दाउदपुर रहा, जहां घंटों करीब डेढ़ फीट तक पानी जमा रहा। जिला परिषद मार्ग पर भी लोगों को जलभराव के बीच होकर गुजरना पड़ा। स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नगर निगम कार्यालय परिसर में पार्क के सामने सुबह आठ बजे तक डेढ़ से दो फीट पानी भरा रहा। बैंक रोड, विजय चौराहे से अलीनगर, घोस कंपनी और माया बाजार रोड पर भी लंबे समय तक जलभराव बना रहा। असुरन चौराहा से गीता वाटिका मार्ग पर राप्ती कॉम्प्लेक्स की चहारदीवारी गिरने से नाले का पानी आसपास के दुकानदारों के घरों में घुस गया। रेती रोड और माया बाजार मार्ग पर भी कई दुकानों और प्रतिष्ठानों में पानी भर जाने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ। आरटीओ रोड पर भी भारी जलभराव देखने को मिला। देवरिया बाईपास मार्ग पर पंचमुखी हनुमान मंदिर से भगत चौराहे तक आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियां जलमग्न रहीं। चंपा देवी पार्क से गोरक्ष एनक्लेव के बीच सड़क नीची होने और नाले में पबहाव बाधित रहने के कारण करीब दो फीट तक पानी जमा रहा। जलभराव के बीच कई बाइक सवार फिसलकर गिर पड़े और चोटिल हो गए।

गोरखपुर में जलभराव से विजय चौक की बिजली गुल केवल बाक्स में घुसा पानी

विजय चौक में जलभराव से बिजली आपूर्ति बाधित।
अंडरग्राउंड केबल बाक्स में पानी घुसने से समस्या।
400 केवीए ट्रांसफार्मर की आपूर्ति ठप की गई।

संवाददाता, गोरखपुर। जलभराव के कारण विजय चौक क्षेत्र की बिजली काटनी पड़ी है। अंडरग्राउंड केबल से जुड़े बाक्स में पानी घुसने की सूचना के बाद बिजली निगम ने चार सौ केवीए क्षमता के एक ट्रांसफार्मर की आपूर्ति पूरी तरह ठप कर दी है। पानी निकलने के बाद केबल बाक्स की जांच की जाएगी। इसके बाद आपूर्ति शुरू कराई जाएगी। वर्षा के कारण विजय चौक क्षेत्र में भारी जलभराव हो गया है। सुबह इतना ज्यादा पानी जमा हो गया कि बिजली की आपूर्ति करने वाले बाक्स के अंदर पानी घुस गया। संयोग था कि पानी में करंट नहीं उतरा। उधर से गुजर रहे कुछ लोगों का ध्यान जब केबल बाक्स की तरफ गया तो उन्होंने बिजली निगम के अभियंताओं को सूचना दी। इसके बाद आनन-फानन विजय चौक फीडर को बंद कर दिया गया। अभियंताओं के साथ मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने जांच की तो एक

ट्रांसफार्मर से जुड़े क्षेत्र में दिक्कत मिली। इसके बाद उस ट्रांसफार्मर की आपूर्ति ठप करते हुए अन्य क्षेत्रों की आपूर्ति बहाल करा दी गई। नगरीय विद्युत वितरण मंडल प्रथम टाउनहाल के अधिशासी अभियंता अंकित कुमार ने कहा कि बाक्स में पानी पहुंचने की शिकायत के बाद आपूर्ति बंद कराई गई है। अभियंता निगाह रखे हुए हैं। जांच के बाद आपूर्ति शुरू करा दी जाएगी। कई दिनों से गोलघर क्षेत्र में है बिजली का संकट गोलघर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बिजली का संकट है। कभी केबल में गड़बड़ी तो कभी उपकेंद्र के अंदर आई खराबी के कारण यह स्थिति आ रही है। शुक्रवार शाम पार्क रोड क्षेत्र में वोल्टेज के चढ़ाव-उतार के कारण उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके पहले भालोटिया मार्केट और गोलघर में पूरे दिन बिजली का संकट रहा।

जिले में मिली नई तैनाती-22 दरोगाओं के तबादले 2023 बैच के 12 को पहली बार मिली चौकी की कमान

गोरखपुर, संवाददाता। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने शुक्रवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। कुल 22 दरोगाओं का तबादला कर दिया गया। इसमें वर्ष 2023 बैच के 12 दरोगाओं को पहली बार पुलिस चौकियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। कुल 22 दरागाओं का तबादला कर दिया गया। इनमें वर्ष 2023 बैच के 12 दरोगाओं को पहली बार पुलिस चौकियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश के अनुसार, दरोगा ओम प्रकाश गुप्ता को पुलिस लाइन से एसएसपी कार्यालय में पीआरओ बनाया गया है। राजेंद्र कुमार को पीपीगंज थाने से धर्मशाला चौकी, आभाश मिश्र को सहजनवा से जंगल कौड़िया चौकी, रजनीश मिश्र को चौरीचौरा से डुमरीखास चौकी व अनीश सिंह को पिपराइच से बैलो चौकी भेजा गया है।

आदित्य उपाध्याय को रहमतनगर चौकी से जंगल धूसड़ चौकी, आनंद उपाध्याय को रामगढ़ताल से रहमतनगर चौकी, शशिकिरण सिंह को पटनाघाट से कौवाबाग चौकी और रजत त्रिपाठी को गोरखनाथ से नथमलपुर चौकी का प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह आलोक शुक्ल को बेलघाट से एयरफोर्स चौकी, अनूप सिंह को पुलिस लाइन से गजपुर चौकी, देशराज सरोज को तिवारीपुर से पादरी बाजार चौकी, पंकज कुमार को रामगढ़ताल से सूर्यविहार चौकी, आदर्श पांडेय को गुलरिहा से घघसरा चौकी, अंकुर सिंह को चौरीचौरा से बरही चौकी, आशुतोष वर्मा को राजघाट से चीनीमील चौकी, शालिनी पांडेय को कोतवाली से जाफरा बाजार चौकी, जय प्रकाश त्रिपाठी को खोराबार से पटनाघाट चौकी, हरिओम सिंह को रामगढ़ताल से नौकायान चौकी व राजेन्द्र सिंह को बेलघाट से हरनही चौकी भेजा गया है।

थाने के मालखाने से ही 427 ग्राम सोना गायब, निर्लंबित दीवान फरार- घर पर पुलिस ने मारा छापा, तलाश में जुटी

गोरखपुर, संवाददाता। पुलिस टीम सुबह करीब आठ बजे सालिकरामनगर के कलेक्टरी टोला स्थित आवास पहुंची। तलाशी के दौरान घर में मौजूद दस्तावेजों की जांच की गई और परिवार के लोगों से पूछताछ कर यह जानकारी जुटाई गई कि राधेश्याम गुप्ता आखिरी बार कब घर आए थे और उनके संभावित ठिकाने कौन-कौन से हो सकते हैं। संतकबीरनगर के खलीलाबाद

कोतवाली के मालखाने से 427 ग्राम सोना, 49,518 रुपये और नेपाली मुद्रा गायब होने के मामले में आरोपी निर्लंबित दीवान राधेश्याम गुप्ता की तलाश तेज कर दी गई है। शुक्रवार सुबह संतकबीरनगर और शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने गोरखपुर के पादरी बाजार स्थित निर्लंबित दीवान के घर पर छापा मारा और तलाशी ली। पुलिस ने परिवार से पूछताछ भी की। हालांकि आरोपी का

कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस टीम सुबह करीब आठ बजे सालिकरामनगर के कलेक्टरी टोला स्थित आवास पहुंची। तलाशी के दौरान घर में मौजूद दस्तावेजों की जांच की गई और परिवार के लोगों से पूछताछ कर यह जानकारी जुटाई गई कि राधेश्याम गुप्ता आखिरी बार कब घर आए थे और उनके संभावित ठिकाने कौन-कौन से हो सकते हैं।

अमरोहा में योगी-उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा एथेनाल उत्पादन करने वाला राज्य

अमरोहा,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा में विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और जिले की प्रसिद्ध ढोलक के बारे में जानकारी ली। वह 207.49 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर अमरोहा पहुंचे। हाईवे स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और जिले की प्रसिद्ध ढोलक के निर्माण व उसकी विशेषताओं की जानकारी ली। कार्यक्रम स्थल पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जनसभा के दौरान जिले की 207.49 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें अमरोहा विधानसभा क्षेत्र की 104.35 करोड़ रुपये की 25 परियोजनाएं और धनौरा विधानसभा क्षेत्र की 103.13 करोड़ रुपये की 18 परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, ग्रामोद्योग रोजगार योजना, स्वयं सहायता समूह, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और किसान ड्रोन अनुदान योजना के लाभार्थियों को



प्रमाणपत्र, चेक और अन्य सहायता प्रदान की गई। **अमरोहा अब पिछड़ा जिला नहीं, विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगा : मुख्यमंत्री योगी** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह जनपद महाभारत कालीन पावन तीर्थ तिगरी धाम और वासुदेव तीर्थ की ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए है। उन्होंने अमरोहा की धरती को नमन करते हुए कहा कि यहां के लोगों ने अपनी कारीगरी और हस्तशिल्प से दुनिया में अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरोहा का तबला और ढोलक एक जिला—एक उत्पाद योजना के तहत अपनी खास पहचान बना चुके हैं। यहां के किसान आम की फसल को देश और विदेश के बाजारों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य गंगा

नहर परियोजना पूरी होने की ओर है और गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से अमरोहा से दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज की दूरी काफी आसान हो गई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार हरिद्वार तक आवागमन को और सुगम बनाने के लिए भी काम कर रही है। उन्होंने प्रशासन को किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य दिलाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि अमरोहा अब पिछड़े जिले की पहचान से बाहर निकल चुका है। जिस तरह यहां के तबले और ढोलक ने दुनिया में अमरोहा का नाम रोशन किया है, उसी तरह यह जनपद विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए अपनी नई पहचान बनाएगा। **2017 से पहले विकास और औद्योगिक निवेश की कल्पना भी नहीं थी** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि

अमरोहा अब विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि क्या वर्ष 2017 से पहले इस तरह का विकास और औद्योगिक निवेश संभव था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में गन्ना किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल पाता था और वर्ष 2007 से 2017 के बीच प्रदेश की 29 चीनी मिलें बंद कर दी गई थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो उत्तर प्रदेश का पूरा चीनी उद्योग बंद हो सकता था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में डबल इंजन की सरकार प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन कर रही है। अब तक गन्ना किसानों को 3.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। पहले गन्ने का मूल्य 300 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसे बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक गन्ना, चीनी और एथेनाल उत्पादन करने वाला राज्य बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिससे आने वाले 50 से 100 वर्षों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का नौजवान बेरोजगार नहीं रहेगा और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित होगी। वर्ष 2017 में शुरू हुई विकास यात्रा के परिणामस्वरूप आज अमरोहा और पूरे प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि का

वातावरण दिखाई दे रहा है। **आस्था का सम्मान और विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता** मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में धार्मिक आयोजनों और आस्था से जुड़े कार्यक्रमों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई जाती थीं। जन्माष्टमी, कांवड़ यात्रा, रामनवमी की शोभायात्रा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजनों में बाधाएं उत्पन्न होती थीं, लेकिन वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि अब कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और तिगरी मेले के आयोजन पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। सरकार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही है और हर स्तर पर उनकी आस्था का सम्मान करते हुए सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं तिगरी मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए यहां आए थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में तेजी से आधारभूत ढांचे का विकास किया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं न सिर्फ यातायात को आसान बनाएंगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति देंगी। उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से विकास की रफ्तार बढ़ती है और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर पैदा होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष फोकस गंगा एक्सप्रेसवे से अमरोहा को जोड़ने पर रहा है। इसका लाभ अब जिले को मिलने लगा है और अमरोहा विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह से मिले कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी दल, एकजुटता, सीट साझेदारी, संयुक्त आंदोलन और चुनावी रणनीति पर मंथन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन की गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के साथ तरुण पटेल किसान नेता कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश ने लखनऊ स्थित लोकदल के केंद्रीय कार्यालय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय तक चली बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति, इंडिया गठबंधन की मजबूती, विपक्षी दलों के बीच बेहतर समन्वय, संभावित सीट साझेदारी तथा जनहित के मुद्दों पर साझा संघर्ष को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर विपक्ष की साझा रणनीति पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

गोरखपुर में परीक्षा और त्योहार से पहले रेलवे स्टेशन पर बढ़ेगी सुरक्षा, तैयार हुआ कैलेंडर

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में त्योहारों व प्रतियोगी परीक्षा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए जीआरपी ने पहली बार फेस्टिवल एवं परीक्षा कैलेंडर तैयार किया है। इस कैलेंडर के आधार पर प्रत्येक बड़े पर्व और परीक्षा से दो दिन पहले और बाद तक स्टेशन और प्लेटफार्म पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उद्देश्य यात्रियों और उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करना, चोरी, जहरखुरानी, छिनैती और अन्य अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इस नई कार्ययोजना की समीक्षा शुक्रवार को गोरखपुर जीआरपी लाइन सभागार में आयोजित क्राइम मीटिंग में महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी ने की। डीजी रेलवे ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए भीड़ आधारित पुलिसिंग की रणनीति अपनाई जाएगी। त्योहारों और परीक्षा के दौरान यात्रियों की संख्या

अचानक बढ़ जाती है। ऐसे समय अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं। इसे देखते हुए पहले से अतिरिक्त फोर्स, एस्कोर्ट और निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी। क्राइम मीटिंग में सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि कैलेंडर के अनुसार सुरक्षा योजना तैयार कर समय से लागू करें। ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर चोरी, छेड़खानी, जहरखुरानी, छिनैती और मोबाइल चोरी की घटना को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जाए। कुली, वेंडर, सफाईकर्मी, ई-रिक्शा और आटो चालकों का सत्यापन नियमित रूप से कराया जाए, ताकि संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई हो सके। डीजी रेलवे ने एस्कोर्ट ड्यूटी की समीक्षा करते हुए जवानों को बाड़ी-वार्न कैमरा, ब्लूटूथ स्पीकर और अन्य सुरक्षा उपकरणों के साथ रवाना करने के निर्देश दिए।

कोचिंग और फिर देर रात तक स्वाध्याय। भाई-बहन एक-दूसरे की कमियां बताते, कठिन विषयों पर चर्चा करते और हर दिन खुद को पहले से बेहतर बनाने की कोशिश करते। आंचल की आंखें उस वक्त भर आती हैं, जब वह पिता की बात करती हैं। कहती हैं, शजब पापा दिनभर आटो चलाकर लौटते थे तो चेहरे पर थकान जरूर होती थी, लेकिन आंखों में हमारे भविष्य का सपना भी साफ दिखाई देता था। उसी सपने ने हमें कभी हार नहीं मानने दी। हमने तय कर लिया था कि पापा की मेहनत बेकार नहीं जाने देंगे। शिवम मुस्कराते हुए कहते हैं, दो साल में शायद मुझे यह भी याद नहीं कि मैंने अपने लिए नए कपड़े कब खरीदे थे। जरूरत ही महसूस नहीं हुई। लक्ष्य सिर्फ एक था—डाक्टर बनना। यह सुन मां किरण गुप्ता की आंखों में आंसू आ जाते हैं, लेकिन यह संघर्ष के नहीं, संतोष के आंसू हैं। वह बस इतना कहती हैं, शबच्चों की सफलता ने हमारे सारे दुख छोटे कर दिए।

आटो चालक ने पसीने से सींचा दो संतानों के डाक्टर बनने का सपना

गोरखपुर के आटो चालक हृदयनारायण गुप्ता के बेटे शिवम और बेटी आंचल ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने माता-पिता के त्याग और मेहनत को सार्थक किया है

गोरखपुर,संवाददाता। आटो चलाने वाले हृदयनारायण गुप्ता के लिए शहर आकर यहां किराए के घर में गृहस्थी बसाना और दो बच्चों को डाक्टर की तैयारी कराना, आसान न था। लेकिन, उन्होंने बच्चों के सपनों की कीमत कभी पैसें से नहीं आंकी। अपनी जरूरतें पीछे छोड़ इस पिता ने अपने पसीने से संतानों के सपनों को सींचा। पत्नी किरण ने घर के हर खर्च में कटौती की और बेटे शिवम व बिटिया आंचल की पढ़ाई को सबसे ऊपर रखा। नीट का परिणाम आया, तो दोनों बच्चों की सफलता का शोर हो गया। नीट-2026 में बेटे शिवम गुप्ता ने दूसरे प्रयास में अखिल भारतीय स्तर पर 7522वीं रैंक और बेटी आंचल गुप्ता ने तीसरे प्रयास में 9037वीं रैंक हासिल की। कुछ महीने पहले जब नीट परीक्षा निरस्त हुई थी तो दोनों भाई-बहन टूट गए थे। महीनों की मेहनत बेकार होती नजर आई, लेकिन तब माता-पिता ने ही उन्हें संभाला। समझाया कि मेहनत कभी व्यर्थ



नहीं जाती। वही भरोसा अंततः सफलता बनकर लौटा। 2011 में गगहा के मझगावा गांव से पैतृक घर छोड़कर शहर के कजाकपुर मोहल्ले में आ बसे हृदयनारायण गुप्ता बताते हैं कि 26 जून को शायद वर्षों बाद अपने लिए नए कपड़े खरीदे थे। वजह थी नए घर का गृहप्रवेश। उससे पहले उन्हें यह भी याद नहीं था कि आखिरी बार अपने लिए कब कुछ खरीदा था। जिस पिता के लिए

अपनी जरूरतें हमेशा सबसे आखिर में रहीं, उसी के घर अब दो-दो डाक्टर बनने का सपना आकार ले रहा है। प्रति माह औसतन 18 हजार रुपये कमाने वाले हृदयनारायण के इस सफर में सिर्फ पसीना ही नहीं बहा, कर्ज भी बढ़ता गया। शिवम और आंचल की कोचिंग पर करीब 2.80 लाख रुपये खर्च हुए। इसके लिए बहन और अन्य रिश्तेदारों से उधार लेना पड़ा। राप्ती किनारे लहसड़ी क्षेत्र में गांव

की जमीन बेचकर छोटा-सा मकान बनवाया, वहां भी कर्ज लेना पड़ा। आज हृदयनारायण करीब आठ लाख रुपये के कर्ज तले हैं, लेकिन बच्चों की सफलता ने इस बोझ को हल्का कर दिया है। वह इसे राधारानी की कृपा मानते हैं। आंचल और शिवम बताते हैं कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र अनुशासन है। मोबाइल फोन सिर्फ पढ़ाई के लिए इस्तेमाल किया। इंटरनेट मीडिया से दूरी बनाई। सुबह सिविल लाइंस स्थित

आयुष्मान योजना में बड़ा खेल

एक ही परिवार के सदस्यों को बार-बार भर्ती कर निकाले लातवों, ऐसे खुली पोल

लखनऊ, संवाददाता। आयुष्मान योजना में बड़े खेल का खुलासा हुआ है। एक ही परिवार के सदस्यों को बार-बार भर्ती करके बिना जरूरत आईसीयू चार्ज लिया गया है। 13 जुलाई को अमर उजाला ने इसका खुलासा किया था। इसके बाद आयुष्मान भारत से जुड़े अस्पतालों की जांच शुरू की गई है। बिजनौर में 16 सूचीबद्ध अस्पतालों को नोटिस दिया गया है। यूपी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में अस्पतालों की बड़े पैमाने पर मनमानी सामने आई है। एक ही परिवार के सदस्यों को बार-बार भर्ती करके योजना के रुपये खर्च किए गए। इसी तरह जरूरत न होने पर भी मरीज को आईसीयू में भर्ती किया गया है। यह खुलासा साचीज की ओर कराए गए औचक निरीक्षण में हुआ है। आयुष्मान भारत के तहत पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए साचीज लगातार सख्त निगरानी कर रही है।

इसी के तहत विभिन्न जिलों में जांच शुरू कराई गई है। कई स्थानों पर स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइंस के पालन में कमी और गुणवत्ता संबंधी खामियां सामने आईं। निरीक्षण में सामने आए तथ्यों के आधार पर संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

पांच दिन प्रदेशभर में झमाझम बरसात का अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता

उत्तर प्रदेश में कुछ दिनों की सुस्ती के बाद मानसून फिर सक्रिय होने जा रहा है। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सुबह सुबह कई इलाकों में बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार यानी 17 जुलाई से प्रदेशभर में बारिश का दौर तेज होगा। 22 जुलाई तक तराई समेत कई जिलों में मध्यम से अच्छी बारिश होने की संभावना है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बारिश की शुरुआत पूर्वी उत्तर प्रदेश से होगी। इसके बाद अगले 48 घंटों में इसका असर धीरे-धीरे मध्यांचल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से चक्रवाती परिसंचरण और मानसून द्रोणी के तराई की ओर रहने के कारण पूर्वी तराई के कुछ हिस्सों में ही बारिश हो रही थी। मौसम विभाग के अनुसार 17 से 22 जुलाई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हालांकि बृहस्पतिवार के लिए कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है और हवा में नमी अधिक रहने से कई स्थानों पर उमस भरी गर्मी बनी रह सकती है।



दस साल बाद जौहर विविद्यालय के भीतर बनी सड़क को घोषित किया गया आम रास्ता, यूनिवर्सिटी गेट पर लगाया बोर्ड

अब सड़क से कोई भी गुजर सकेगा



- जौहर विश्वविद्यालय के अंदर बनी सड़क आम रास्ता घोषित
- लोक निर्माण विभाग ने यूनिवर्सिटी गेट पर लगाया बोर्ड
- जौहर यूनिवर्सिटी में बनी सड़क लोक निर्माण विभाग की

रामपुर, संवाददाता। सपा नेता आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी के अंदर बनी सड़क को दस साल बाद आम रास्ता घोषित किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने यूनिवर्सिटी गेट पर बोर्ड लगा दिया है। 3.5 किमी सड़क को सार्वजनिक मार्ग बताया है। सपा नेता आजम खां की जौहर

यूनिवर्सिटी के भीतर बनी 3.5 किमी लंबी सड़क को लोक निर्माण विभाग ने आम रास्ता घोषित कर दिया है। विभाग ने यूनिवर्सिटी के गेट पर बोर्ड लगाकर सड़क को लोक निर्माण विभाग की संपत्ति बताते हुए इसे सार्वजनिक मार्ग घोषित किया है। इस सड़क के निर्माण पर 13 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। वर्ष 2003-04 में मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री रहने के दौरान आजम खां ने जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित मानचित्र में मौजूद मुख्य द्वार से होते हुए लोक निर्माण विभाग से लगभग साढ़े तीन किमी लंबी सड़क का निर्माण कराया था। प्रदेश में दोबारा सपा सरकार बनने पर विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा कराया गया। इसके बाद मई 2016 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए 17 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कराया गया। 13 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़क का चौड़ीकरण कराया गया।

नजदीकियां, निकाह और कत्ल

कमरे में दफन की लाश, शमशेर ने दुल्हन को क्यों मारा

गोरखपुर, संवाददाता।

सिद्धार्थनगर में शादी के डेढ़ महीने बाद ही नवविवाहिता की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद लाश को घर में छह फीट गहरे गड्ढे में गाड़ दी। पुलिस नवविवाहिता की हत्या की वजह तलाश रही है। आरोपी पति और उसका परिवार अभी तक फरार है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के चकमझारी गांव में हुई मुफ्तीदन (20) हत्याकांड में पुलिस वारदात की वजह तलाश रही है। जिस हिसाब से इस



वारदात को अंजाम दिया गया है, उससे यह प्रतीत हो रहा है कि मृतका के प्रति आरोपी को बहुत ही आक्रोश था। प्रेम और भागकर निकाह के डेढ़ माह बाद

ही ऐसी क्या नौबत आ गई कि उसकी हत्या कर दी, यह अहम सवाल है। वहीं, हत्या करके दफन किया जाना भी वह अकेले के लिए नामुमकिन है। इसमें परिवार पर लगे आरोप और भूमिका की पुलिस जांच कर रही है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश हो सकता है।

'कातिल पत्नी-दूध में दीं नींद की गोलियां, फिर प्रेमी संग घोंटा गला, पति का शव फंदे पर टांगा, ऐसे हुआ खुलासा

कानपुर, संवाददाता। इटावा के तोड़ा गांव में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। आरोपियों ने पहले पति को नींद की गोलियां खिलाकर बेहोश किया, फिर गला घोटकर हत्या कर शव को पंखे से लटका दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

इटावा जिले में मार्च में आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े जाने के बाद पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर खौफनाक साजिश रची। पहले पति को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर बेहोश किया फिर प्रेमी के साथ मिलकर अंगोछे से गला कसकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को पंखे पर टांग दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोटकर हत्या की पुष्टि के बाद मामला खुला। फिलहाल दोनों पुलिस की गिरफ्त में हैं। यह वाकया है सिविल लाइन थाना क्षेत्र के तोड़ा गांव का।

घर में पंखे से लटका मिला शव पुलिस के मुताबिक रविवार रात करीब 1:30 बजे आनंद राजपूत उर्फ महबूब (35) का शव घर में पंखे से लटका मिला। मृतक के पिता सुघर सिंह राजपूत की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी आशिकी देवी



(30) और उसके प्रेमी शिवम (24) पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली। पूछताछ करने पर हत्या की बात कुबूल ली सिविल लाइन पुलिस, सर्विलांस टीम और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। पूछताछ में पत्नी आशिकी के बयान बार-बार बदलते रहे। इससे पुलिस का शक गहरा गया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात कुबूल ली। फिर पुलिस ने प्रेमी शिवम को भी गिरफ्तार कर लिया। पति ने प्रेमी को भिजवाया था जेल एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आशिकी देवी और उसी के गांव निवासी रिश्ते के भतीजे शिवम के

बीच प्रेम संबंध थे। आनंद को भनक लगी तो उसने विरोध किया। मार्च में दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। आनंद ने शिवम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। आनंद से लेना चाहते थे बदला इससे शिवम को जेल जाना पड़ा। करीब तीन महीने बाद शिवम एक जून को जमानत पर बाहर आया। शिवम ने बताया कि जेल से छूटने के बाद वह और आशिकी आनंद से बदला लेना चाहते थे। दोनों का मानना था कि आनंद के कारण ही उनके संबंध में बाधा आ रही है और उसी की वजह से उसे जेल जाना पड़ा था।

चार दिन पहले लिया नया सिम और कीपैड मोबाइल एसएसपी ने बताया कि बेहद शातिराना तरीके से दोनों ने हत्या को अंजाम दिया। वारदात से चार दिन पहले शिवम ने आशिकी को कीपैड मोबाइल दिया। इसी फोन से दोनों जुड़े रहे। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर अंगोछा, मृतक की सोने की अंगूठी, एंज्रॉयड मोबाइल और हत्या की साजिश में इस्तेमाल कीपैड मोबाइल बरामद किया। तीन घंटे में पोस्टमार्टम, फॉरेंसिक जांच से उठा पर्दा पुलिस ने शव का सामान्य पोस्टमार्टम कराने के बजाय दो डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम कराया। पूरी प्रक्रिया करीब तीन घंटे तक चली। गले पर मिले संदिग्ध निशानों की फोटो और वीडियो सुरक्षित कर विशेषज्ञ फॉरेंसिक डॉक्टर को परीक्षण के लिए भेजी गई। तीन घंटे बाद विशेषज्ञों ने गला घोटकर हत्या किए जाने की पुष्टि की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या अपनी जांच का दायरा और बढ़ा दिया। करीब 10 घंटे की गहन जांच के बाद यह गुथी सुलझा ली गई। खुलासे के लिए टीम को दस हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। -बृजेश कुमार श्रीवास्तव, एसएसपी

ये था पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के तोड़ा गांव में रविवार रात संदिग्ध हालात में युवक का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला था। मृतक के परिजन ने पत्नी, उसके प्रेमी समेत अन्य पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पैनल से पोस्टमार्टम कराया था। ईट-भट्टे में पार्टनर के रूप में करता था काम तोड़ा गांव निवासी आनंद राजपूत उर्फ महबूब (35) प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ चौगान गांव स्थित ईट-भट्टे में पार्टनर के रूप में काम करता था। उसकी शादी वर्ष 2013 में इकदिल थाना क्षेत्र के नगला जैक निवासी आशिकी से हुई थी। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां छवि (10) और दुर्गा और एक बेटा अभी है। शव को फंदे से लटका दिया पिता सुघर सिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि रविवार रात करीब 10 बजे आनंद घर लौटा था। बताया कि आनंद रात में घर का गेट खोलकर सोता था। भोर पहर छह लोग घर में घुस आए और उसकी हत्या कर दी। आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया। घटना के वक्त वह घर में दूसरे तल पर सो रहे थे। सोमवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजन में कोहराम मच गया।

2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिल रहा: नितिन गडकरी

एथेनॉल और ई-20 पर सबसे ज्यादा चर्चा आपकी है, जबकि आप परिवहन मंत्री हैं, पेट्रोलियम नहीं?

➤ **मैं परिवहन मंत्री हूँ और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मानक तय करना मेरा अधिकार है।**

➤ कौन-सा ईंधन इस्तेमाल होगा, इसका अंतिम फैसला पेट्रोलियम मंत्रालय करता है।

➤ मैं पिछले 25 साल से किसानों के हित में वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहा हूँ।

➤ देश 22 लाख करोड़ रुपये का पेट्रोलियम आयात करता है।

➤ दिल्ली के प्रदूषण का 40% हिस्सा परिवहन से आता है। इसे कम करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

- नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

ई-20 के लिए जरूरी एथेनॉल हम बना पा रहे हैं?

➤ देश को हर साल करीब 1450 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत है, जबकि हमारी उत्पादन क्षमता 1750-1800 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है।

➤ एथेनॉल सिर्फ गन्ने से नहीं, बल्कि मोलासेस, मक्का, टूटे चावल, पराली और बांस से भी बनाया जा रहा है।

➤ इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपये का तेल आयात बचा है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों की आय बढ़ी है।

- नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

कई देशों में ई-20 के साथ 100% पेट्रोल का विकल्प भी मिलता है, भारत में क्यों नहीं?

➤ हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत अपनी जरूरत और संसाधनों के हिसाब से नीति बना रहा है।

➤ हमारा लक्ष्य तेल आयात कम करना और प्रदूषण घटाना है। ब्राजील में 1970 से 100% एथेनॉल का इस्तेमाल हो रहा है।

➤ वहां एक ही पेट्रोल पंप पर कई तरह के ईंधन उपलब्ध हैं। भारत में अभी उस स्तर तक पहुंचना बाकी है।

- नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

लोगों की शिकायत है कि ई-20 से माइलेज घट रहा है। ARAI ने भी 6% तक अंतर बताया है?

➤ **माइलेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर करता है।**

➤ एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से थोड़ी कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में मामूली अंतर आ सकता है।

➤ लेकिन एथेनॉल सस्ता है, प्रदूषण कम करता है और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन आने के बाद यह अंतर और कम हो जाएगा।

- नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

एथेनॉल और ई-20 पर सबसे ज्यादा चर्चा आपकी है, जबकि आप परिवहन मंत्री हैं, पेट्रोलियम नहीं?

➤ **मैं परिवहन मंत्री हूँ और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मानक तय करना मेरा अधिकार है।**

➤ कौन-सा ईंधन इस्तेमाल होगा, इसका अंतिम फैसला पेट्रोलियम मंत्रालय करता है।

➤ मैं पिछले 25 साल से किसानों के हित में वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहा हूँ।

➤ देश 22 लाख करोड़ रुपये का पेट्रोलियम आयात करता है।

➤ दिल्ली के प्रदूषण का 40% हिस्सा परिवहन से आता है। इसे कम करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

- नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

विश्व युवा कौशल दिवस

योगी बोले- पहले यूपी में नौकरी नहीं थीं

लखनऊ, संवाददाता। विश्व युवा कौशल दिवस पर सीएम योगी ने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए। विश्व युवा कौशल दिवस-2026 पर बुधवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री उच्च वेतन पर नियुक्ति पाने वाले व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 युवा आइकॉन को सम्मानित भी किया। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले राजकीय आईटीआई, प्रशिक्षण प्रदाताओं

और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया।

स्किल आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम
इस मौके पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए यूपी और सीएम का काम मॉडल है। यूपी में निवेश बढ़ा है, इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है। यहां प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं का आज सम्मान होगा। अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। स्वावलंबन प्राप्त करें। पीएम मोदी ऊर्जा और आतंकवाद के विरोध की बात करते हैं। साथ ही युवाओं को स्वावलंबन देने की बात जरूर करते हैं। यह आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया के तहत इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप स्किल मैन पावर दे रहे हैं। 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। 10 हजार को जॉब दिलाई। सीएम योगी ने स्किल के लिए 3300 करोड़ का बजट किया है। टाटा ग्रुप के साथ एमओयू हुआ है।

राम मंदिर के टायलेट में रुपये मिलने के बाद हुआ था चढ़ावा चोरी का खुलासा

राम मंदिर चढ़ावा मामले में 40 हजार रुपये से शुरू हुई बरामदगी 17 घंटे में 81 लाख रुपये तक पहुंच गई। ट्रस्ट महासचिव चंपतराय की सक्रियता और पुलिस की जांच ...

अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी कब से शुरू हुई, इसकी सटीक जानकारी किसी को नहीं है। एसआईटी की जांच इस रहस्य से पर्दा उठा सकती है। सीसीटीवी कैमरे का रिकार्ड भी मात्र 45 दिन का है, ऐसे में आरोपित ही बता सकते हैं कि उन्होंने मिलकर कितने रुपये पार किए हैं। उनके बयान सहित पुलिस की विवेचना में यह सच सामने आएगा। चोरी की घटना में पहले बरामद



होने वाली धनराशि 40 हजार रुपये थी, जो राम मंदिर के शौचालय से मिली थी। गेट कीपर ने जब बाथरूम में नोटों को देखा, तो उसने फौरन ही ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपतराय को इसकी जानकारी

दी। वह मंदिर आए और इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों के अलावा ट्रस्टियों को भी दी। सभी के सामने हुई थी आरोपितों की तलाशी सभी के सामने ही आरोपितों की तलाशी हुई। चार जून को ये मामला संज्ञान में आया था। ट्रस्ट महासचिव ने पुलिस अधिकारियों को इससे अवगत कराया। इसी के बाद ही धनराशि के बरामदगी का सिलसिला प्रारंभ हुआ।

एक दिन पहले साथी छात्र ने मार डाला सीटी स्कैन रूम में 10 मिनट में कत्ल



पीलीभीत, संवाददाता। जिला अस्पताल के सीटी स्कैन कक्ष में पैरामेडिकल छात्रा कशिश पटेल की दिनदहाड़े हत्या हो गई। अस्पताल में 80 सुरक्षाकर्मी और 88 सीसीटीवी कैमरों के बावजूद सुरक्षा फेल हो गई। आरोपी ने 10 मिनट में ही पूरी घटना को अंजाम दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीलीभीत के जिला अस्पताल के सीटी स्कैन कक्ष में पैरामेडिकल छात्रा कशिश पटेल की हत्या की घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल में 80 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और परिसर की निगरानी के लिए 88 सीसीटी कैमरे भी लगे हैं। इसके बावजूद आरोपी चाकू लेकर अस्पताल में दाखिल हुआ, दो बार सीटी स्कैन कक्ष तक पहुंचा और वारदात को अंजाम देने के बाद ही सुरक्षा व्यवस्था की नींद टूटी।

जिला अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार, इमरजेंसी वार्ड, पर्चा काउंटर, दवा वितरण केंद्र, चिकित्सकों के कक्ष और सीटी स्कैन सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर 80 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। कागजों पर यह व्यवस्था मजबूत दिखाई देती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। अस्पताल में पर्चा और दवा काउंटर पर मरीजों की सबसे अधिक भीड़ रहती है, लेकिन यहां अक्सर केवल एक-एक सुरक्षाकर्मी ही व्यवस्था संभालते दिखाई देते हैं। अन्य सुरक्षाकर्मी परिसर में इधर-उधर घूमते नजर आते हैं। वहीं इमरजेंसी वार्ड के भीतर और बाहर अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं, जिनका अधिकांश समय मरीजों और तीमारदारों को गेट से हटाने में ही गुजरता है।

बंद
करो!

फोटो और वीडियो लेने से परेशान हुईं

मौनी राय

पैपराजी को लगा दी
फटकार



एंटरटेनमेंट डेस्क। मौनी राय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें वह पैपराजी को फटकार लगाते हुए नजर आ रही हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है जब अभिनेत्री अपने पति से अलग हो गई हैं।

एक्सेस मौनी राय का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। मौनी राय टीवी होस्ट और एक्ट्रेस अनुषा दांडेकर के साथ बाहर बाहर निकलीं। यहां उन्हें पैपराजी के साथ एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। वायरल वीडियो में मौनी राय काफी परेशान दिख रही हैं। जब पैपराजी ने उनकी तस्वीरें लेनी चाहीं तो वह उन पर बरस पड़ीं।

वायरल वीडियो में क्या है?

वायरल वीडियो में मौनी राय अपनी गाड़ी के अंदर बैठती हुई नजर आ रही हैं। कार में बैठने के बाद भी फोटोग्राफर्स उनकी तस्वीरें और वीडियो लेते रहे। लगातार फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी से एक्ट्रेस चिढ़ती हुई दिखीं। मौनी राय ने पैपराजी से बार-बार रुकने के लिए कहा। जब वो नहीं माने तो उन्होंने कड़े लहजे में कहा बंद करो!।

पति से अलग हुई मौनी राय

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब मौनी ने अपने पति सूरज नाबियार से अलग होने की पुष्टि की है। हाल ही में मौनी राय ने सूरज नाबियार से अलग होने की पुष्टि की 14 मई को, मौनी ने सूरज के साथ एक जॉइंट पोस्ट में अपने अलग होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वे इस दौर से निजी तौर पर और शांति से गुजरने पर ध्यान दे रहे हैं, लेकिन उनकी दोस्ती हमेशा यादगार रहेगी।

दो परंपराओं से की थी शादी

मौनी राय ने कई वर्षों तक डेटिंग करने के बाद 27 जनवरी, 2022 को सूरज से शादी की थी। उनकी शादी मलयाली और बंगाली दोनों परंपराओं से हुई थी।

मौनी राय का वर्क फ्रंट

एक्सेस हाल ही में संजय कपूर, शहीर शेख, निमरत कौर अहलूवालिया और अविनाश मिश्रा के साथ वेब शो अब होगा हिसाब में नजर आई थीं। इसके अलावा उनके पास मधुर भंडारकर की फिल्म द वाइव्स भी है, जिसमें शालिनी पासी भी हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री नैना ग्रेवाल फिल्म राका में नजर आने वाली हैं। उन्होंने निर्देशक एटली की तारीफ करते हुए बताया कि उन्हें यह फिल्म कैसे मिली है। फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म राका लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

उन्होंने कहा उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो। 2015 में इमियाज अली की फिल्म तमाशा से बालीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में मामला लीगल है के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।



नाइला ग्रेवाल कहती हैं वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं। नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, राका से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की।

दिलवा में रहे राम जी नसीब में कहे ना; पावर स्टार के नए गाने के साथ पत्नी ज्योति सिंह का क्रिप्टिक पोस्ट

'मेरी किसी पत्नी ने अपना धर्म नहीं बदला'



एंटरटेनमेंट डेस्क। बीते दिनों आमिर खान ने 61 साल की उम्र में गौरी स्प्रेट से तीसरी शादी की, जिसके बाद से ही उनके कई लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए और इसे लव जिहाद का नाम देने लगे। अब इस पूरे मामले पर खुद आमिर खान का बयान सामने आया है। बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान ने 5 जुलाई को अपनी पार्टनर गौरी स्प्रेट से शादी की थी। यह उनकी तीसरी शादी है। शादी के बाद से ही कई राजनेता और धार्मिक संगठन के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए, और इसे लव जिहाद बताने लगे। यहां तक की मंगलवार को मुस्लिम पर्सनल दारुल इफता के शाही चीफ मुफ्ती, मौलाना इफ्राहिम हुसैन ने आमिर की गौरी से शादी पर आपत्ति जताई और उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया। अब इस पूरे मामले पर आमिर का बयान भी सामने आ गया है।

आरोपों पर क्या बोले आमिर खान?

एक इंटरव्यू में आमिर खान ने इस मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में अलग-अलग धर्मों में शादियां हुई हैं, लेकिन इनमें कभी भी धर्म बदलने की बात नहीं आई। रेडिफ को दिए इंटरव्यू में आमिर ने लव जिहाद के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 'सच्चाई ये है कि हमारा परिवार बहुत खुला और सबको अपनाने वाला है। मेरी दोनों बहनों की शादी हिंदू परिवार में हुई है।'

बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान ने 5 जुलाई को अपनी पार्टनर गौरी स्प्रेट से शादी की थी। यह उनकी तीसरी शादी है। शादी के बाद से ही कई राजनेता और धार्मिक संगठन के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए, और इसे लव जिहाद बताने लगे। यहां तक की मंगलवार को मुस्लिम पर्सनल दारुल इफता के शाही चीफ मुफ्ती, मौलाना इफ्राहिम हुसैन ने आमिर की गौरी से शादी पर आपत्ति जताई और उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया।

एंटरटेनमेंट डेस्क
भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसके साथ पवन सिंह का हालिया रिलीज ब्रेकअप सॉन्ग नसीब लगाया है। पवन सिंह इन दिनों अपने हालिया रिलीज ब्रेकअप सॉन्ग नसीब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में पावर स्टार मोहब्बत से बिछड़ने के दर्द में तड़पते नजर आए हैं। प्रेमिका की शादी का कार्ड मिलने पर वे शराब के नशे में डूबकर बिलख-बिलखकर रोते दिखे हैं। उनका यह गाना सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहा है। इस बीच पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने भी इस गाने पर एक पोस्ट साझा किया है।

पवन सिंह और ज्योति सिंह की शादी शुदा जिंदगी में दरार आ गई है। ज्योति, एक्टर पति पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। दोनों का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बीच ज्योति सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने वीडियो साझा करते हुए बैकग्राउंड में पवन सिंह के गाने भिक्स करती हैं। एक बार फिर ऐसा हुआ है।

पत्नी ज्योति को सताई पवन सिंह की
याद

ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वे झूला पर बैठकर किताब पढ़ती दिख रही हैं। वीडियो में ज्योति अपना सिंदूर प्लान्ट करती नजर आई हैं। वहीं, वीडियो के साथ नसीब गाने के लिखिक्स चल रहे हैं- जेहि दिल में रहे राजा जी नसीब में काहे ना। इसके बाद नेटिजंस अंदाज लगा रहे हैं कि पवन सिंह के गाने का सहारा लेकर क्या ज्योति सिंह ने दिल की बात कही है?



नाइला
ग्रेवाल

को कैसे मिली एटली की फिल्म राका

अभिनेत्री ने दी जानकारी, की फिल्ममेकर की तारीफ

क्या कुलदीप को मिलेगा मौका गिल की फिटनेस ने बढ़ाई चिंता



स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने पहले ही सीरीज में बढ़त बना ली है और अब उसकी नजरें सीरीज अपने नाम करने पर होंगी। आइए जानते हैं कि इस मैच के लिए भारत कोई बदलाव करता है या नहीं... भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच जीतकर ब्रिटेन दौरे पर जीत का स्वाद चखा था। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज गंगा दी थी, लेकिन गुरुवार को उसके पास वनडे सीरीज अपने नाम करने का मौका रहेगा। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे कार्डिफ में खेला जाएगा, लेकिन इस मैच में यह देखना रोचक होगा कि भारतीय टीम प्लेइंग-11 में बदलाव

करती है या नहीं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल भी पहले मैच में बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में वह गुरुवार को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं इस पर नजरें रहेंगी। **गिल की चोट कितनी गंभीर** गिल ने बर्मिंघम में खेले गए पहले वनडे में भारत की छह विकेट से जीत में 80 रन बनाए थे, लेकिन मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें रिटायर्ड हट होकर मैदान छोड़ना पड़ा था। भारत उनके जल्द से जल्द फिट होने की उम्मीद कर रहा होगा। पिछले कुछ समय में यह पहला अवसर नहीं है। जब गिल को फिटनेस संबंधी समस्या के कारण मैदान छोड़ना पड़ा है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गिल की फिटनेस को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि गिल दूसरे वनडे में खेलने उतरेंगे। **रोहित को बल्ले से दिखाना होगा दम** भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर टीम प्रबंधन की नजर होगी जो पहले मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। रोहित ने कप्तानी गंवाने के बाद अपने आक्रामक रवैए पर अंकुश लगाया लेकिन उन्हें अभी तक इससे खास फायदा नहीं हुआ है। रोहित ने पिछले साल अक्टूबर से 13 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने एक शतक और चार अर्धशतकों की मदद से 46.91 के औसत से 563 रन बनाए हैं। यह कोई मामूली रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन भारतीय ड्रेसिंग रूम के मौजूदा हालात ने रोहित के लिए लगभग हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना अनिवार्य बना दिया है। रोहित अब इस स्थिति में हैं कि वह किसी भी चीज को भाग्य के सहारे नहीं छोड़ सकते हैं क्योंकि भारत के शीर्ष क्रम में ईशान किशन के रूप में विकल्प मौजूद है।

फुटबॉल वर्ल्ड कप • अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया



देर रात 2:35 बजे
टर्निंग पॉइंट... 85वें मिनट में अर्जेंटीना के फर्नांडेज ने गोल दाग कर स्कोर 1-1 किया। 90+2वें मिनट में अर्जेंटीना के मार्टिनेज ने दूसरा गोल दाग दिया। दोनों ही गोल में मेसी ने असिस्ट किया।

अर्जेंटीना 7वीं बार फाइनल में; 85 मिनट पीछे रही, 7 मिनट में 2 गोल



फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों का जश्न विवादों में घिर गया। मिडफील्डर जियोवानी लो सेल्सो और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी लास माल्विनास सोन अर्जेंटीनास लिखा बैनर लेकर जश्न मनाते नजर आए। यह एक राजनीतिक बैनर था, जिसको लेकर फीफा कार्रवाई कर सकता है। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 की रोमांचक जीत के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों का जश्न अब विवाद का कारण बन गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम के खिलाड़ियों पर राजनीतिक संदेश वाला बैनर दिखाने के कारण फीफा कार्रवाई कर सकता है। सेमीफाइनल जीतने के बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर जियोवानी लो सेल्सो और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी एक बैनर के साथ जश्न मनाते दिखाई दिए।

2023 और 2027 में सबसे बड़ा अंतर क्या?

विश्व कप-2023	विश्व कप-2027
10 टीमों	14 टीमों
राउंड रॉबिन	सुपर सीरीज + ग्रुप स्टेज + सुपर-7
राउंड रॉबिन में सभी टीमों भिड़ती थीं	2 टीमों सुपर सीरीज से होंगी बाहर
शीर्ष-4 सीधे सेमीफाइनल	सुपर-7 के बाद शीर्ष-4 सेमीफाइनल

आईसीसी ने 2027 पुरुष वनडे विश्व कप के फॉर्मेट में बड़ा बदलाव कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में 14 टीमों खेलेंगी, लेकिन पहली बार सुपर सीरीज और सुपर-7 जैसे नए चरण देखने को मिलेंगे। आईसीसी के मुताबिक, इन बदलावों का मकसद टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों को अधिक अहम और रोमांचक बनाना है। साथ ही टी20 विश्वकप के प्रारूप में भी बदलाव किए गए हैं। आइए एक-एक करके जानते हैं दोनों प्रारूपों में क्या बदलाव हुए हैं। पहले वनडे विश्वकप के प्रारूप में बदलाव के बारे में जानते हैं, फिर टी20 विश्वकप का जानते हैं। वनडे विश्वकप 2027 में होना है, जबकि अगला टी20 विश्वकप 2028 में होना है।

दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सिपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं०. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

वर्ल्ड कप में
17 मैचों में
सबसे तेज
50 विकेट लेने वाले



मोहम्मद शमी

को क्या
WORLD CUP
2027 में मिल
पाएगी जगह?

आपकी राय क्या है?

'मेरा भरोसा कभी कम नहीं हुआ'

इंग्लैंड पर जीत के
बाद गरजे **लियोनेल मेसी**

